



कृषि में स्थानीय बीज बैंकों की भूमिका

शिवम कुमार राय*, अभिनव दयाल*, नेहा थॉमस* और प्रशांत कुमार राय*

बीज बैंक पारंपरिक और प्राकृतिक बीजों की धरोहर को संरक्षित रखने में मदद करते हैं। ये हमारी विविधता को सुरक्षित रखते हैं। इनका महत्व खासकर उस समय में बढ़ जाता है, जब कीट-रोग, जलवायु परिवर्तन और जीवाणुओं से खेती पर खतरा होता है। इन बीजों का संग्रहण और विकास हमें सतत खेती की समर्थता प्रदान करता है। इस प्रकार कृषि उत्पादन को सुरक्षित बनाती है और खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने में मदद करती है। स्थानीय बीज बैंक प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में इस प्रकार योगदान करते हैं और समुदाय के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार, स्थानीय बीज बैंक कृषि विरासत के संरक्षण में अपने महत्वपूर्ण योगदान के साथ, टिकाऊ और सुरक्षित खेती की दिशा में कदम बढ़ाते हैं।

कृषि विरासत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो एक ऐतिहासिक और वैज्ञानिक धरोहर है। इससे हमें भूमि की अद्वितीयता का पता चलता है। यह विरासत पूर्वजों के वैज्ञानिक अनुसंधान और उनकी मेहनत का प्रतीक है। यह उनकी प्रतिष्ठा को बढ़ाने के अलावा समृद्धि और विकास के प्रति भी महत्वपूर्ण योगदानों की याद दिलाती है। स्थानीय बीज बैंकों की भूमिका विकसित कृषि में महत्वपूर्ण होती है।

कृषि, मानव सभ्यता का मूल आधार है। यह न सिर्फ हमें आहार संसाधन की प्राप्ति का तरीका सिखाती है, बल्कि समृद्धि और प्रगति की ओर बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

कृषि विरासत, विज्ञान और तकनीक में पूर्ववर्ती पीढ़ियों के अनुसंधान का परिणाम है। यह उनकी मेहनत को दर्शाने के साथ समृद्धि और प्रगति के प्रति हमारी आवश्यकता को भी प्रकट करती है। आज के तकनीकी युग में, हमने अनेक उन्नत प्रजातियां विकसित की हैं। ये प्रजातियां उन्नत उत्पादन और आर्थिक लाभ प्रदान करती हैं। इसके साथ ही पारंपरिक वैज्ञानिक ज्ञान की सुरक्षा करना भी इनके अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य हैं।

बीज बैंक हमें पारंपरिक बीजों की मूल्यवान संख्या को संरक्षित रखने में मदद करते हैं। इससे वे अपनी उन्नति और विकास की दिशा में अग्रसर होते हैं। इसके साथ-साथ ये हमें जानकारी प्रदान करते हैं कि कैसे स्थानीय बीज बैंक टिकाऊ खेती को समर्थता प्रदान कर

स्थानीय बीज बैंक

स्थानीय बीज बैंक एक ऐसी प्रणाली है, जो विभिन्न प्रकार के पारंपरिक बीजों को संग्रहित, संरक्षित और विकसित करती है। यह संगठन बीजों की विविधता को सुरक्षित रखने में मदद करने के अलावा उन्हें प्राकृतिक आनुवंशिक अपक्षय, जलवायु परिवर्तन और जैव जीवाणुओं के दुष्प्रभाव से बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्थानीय बीज बैंकों का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक बीजों का संरक्षण और प्रबंधन करना होता है। इससे उनकी मूल जड़ें, रंग, आकार और उपयोगिता को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये बीज बैंक इन्हें खतरे से बचाने में मदद करते हैं। ये कीट-रोग, जलवायु परिवर्तन और जैव जीवाणु से प्रभावित हो सकते हैं।

स्थानीय बीज बैंकों की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि ये स्थानीय परंपराओं, जलवायु और भूमि की विशिष्टताओं के अनुसार विकसित बीजों को संरक्षित रखते हैं। इन बीजों का संग्रहण और उपयोग करने से किसान विशिष्ट जलवायु, भूमि प्रकृति और परंपराओं के अनुसार उचित बीजों का चयन कर सकते हैं। ये इनके क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

सकते हैं। ये आर्थिक सुरक्षा और भूमि संरक्षण के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा को भी बढ़ावा देते हैं।

इन स्थानीय बीज बैंकों की देखभाल में विभिन्न स्थानीय समुदाय, किसान संगठन और स्थानीय सरकार सहित सभी सहयोग करते हैं। ये संगठन अक्सर बीज संग्रहण शिविरों, जागरूकता कार्यक्रमों और भू-प्रजाति बीज संरक्षण अभियानों का आयोजन करते हैं, ताकि बीजों की कीमतों और प्रयोगशीलता को सुनिश्चित किया जा सके।

इस प्रकार ये बीज बैंक समृद्ध बीज विविधता की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और सतत खेती के लिए उन्नत और प्रयोगशील बीजों का विकास करते हैं। ये खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

बीज बैंक का महत्व

स्थानीय बीज बैंक कृषि विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इसके योगदान को नकारात्मक प्रभावों से बचाने में मदद भी करते हैं।



विभिन्न बीजों से प्राप्त फसल के नमूने

- **विविधता का संरक्षण:** स्थानीय बीज बैंक, बीजों की विविधता का संरक्षण करते हैं। ये बीज विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें परंपरागत समुदायों के साथ जुड़े रहने का अवसर प्रदान करते हैं।
- **जलवायु परिवर्तन के प्रतिरोधी:** ये बैंक ऐसे बीजों का भी संग्रहण करते हैं, जिन्हें विभिन्न जलवायु स्थितियों में उत्तरदायित्वपूर्ण रूप से उपयोग किया जा सकता है। इससे खेती को जलवायु परिवर्तन के लिए प्रतिरोधक बनाने में मदद मिलती है।
- **प्राकृतिक पौधों की सुरक्षा:** ये बीज बैंक उन बीजों का भी संरक्षण करते हैं, जो प्राकृतिक जीव-जन्तुओं और पौधों की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे बीजों का उपयोग करके किसान बिना कीटनाशकों के, प्राकृतिक

सारणी: देश के महत्वपूर्ण बीज बैंकों की भूमिका एवं कार्य

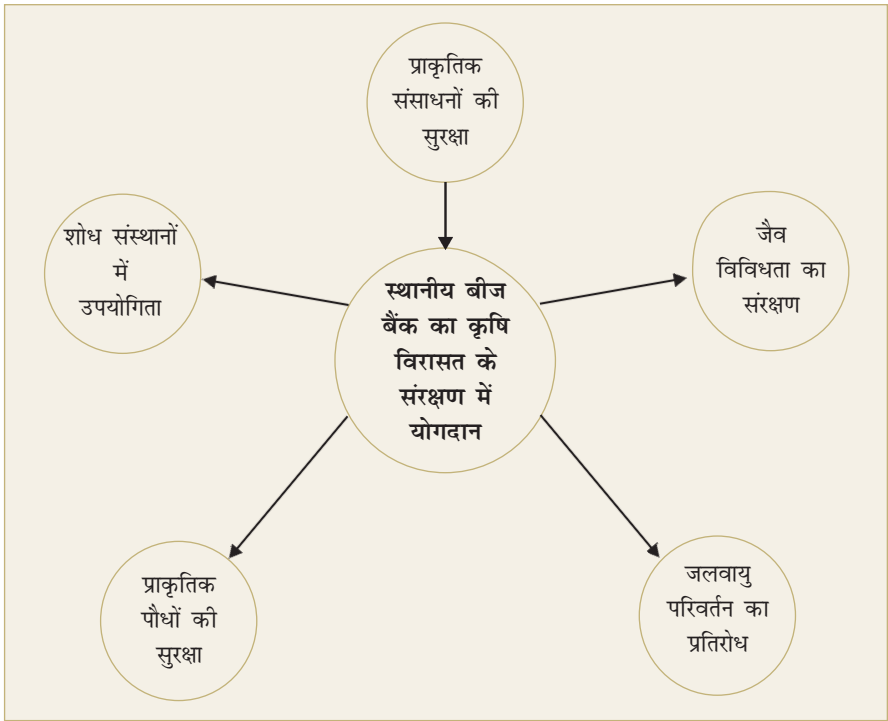
क्र.सं.	समुदाय-प्रबंधित बीज बैंक	भूमिका	कार्य
1	डेकन डेवलपमेंट सोसायटी, तेलंगाना	पारंपरिक और स्थानीय फसल प्रजातियों का संरक्षण एवं आपसी विनिमय को प्रोत्साहित करना	जैविक विविधता संरक्षण, सतत खेती प्रथाएं
2	चेतना ऑर्गेनिक, आंध्र प्रदेश	प्राचीन चावल प्रजातियों का संरक्षण और जैविक खेती प्रथाओं को प्रोत्साहित करना	प्राचीन बीजों का बचाव, जैविक खेती प्रथाएं
3	जीन कैम्पेन, उत्तराखंड	स्थानीय पर्यावरण के अनुकूल बीजों के संरक्षण के साथ किसानों को विविध और जलवायु-अनुकूल बीज प्रदान करना	स्थानीय बीजों की देखभाल जलवायु अनुकूल बीज
4	नवघन्य, विभिन्न प्रदेश	पारंपरिक बीजों का संरक्षण, किसानों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए नीति परिवर्तन का प्रयास	बीज संरक्षण, किसानों के अधिकार, नीति परिवर्तन
5	तिम्बक्कू कलेक्टिव, आंध्र प्रदेश	प्राचीन बीज विविधता का संरक्षण, जैविक संवर्धन और खाद्य सुरक्षा को प्रोत्साहित करना	प्राचीन बीजों का रखरखाव, जैविक संवर्धन और खाद्य सुरक्षा
6	एमएसएसआरएफ समुदाय-प्रबंधित बीज बैंक, विभिन्न राज्य	कृषि जैविकता को बढ़ावा देना, छोटे किसानों का समर्थन करना	कृषि जैविकता, छोटे किसानों का समर्थन
7	वनस्त्री, कर्नाटक	पारंपरिक बीजों का संरक्षण, महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ-साथ वन्य पौधों के पोषणिक और पारिस्थितिकी लाभों को प्रोत्साहित करना	पारंपरिक बीजों की सुरक्षा, वन्य पौधों के पोषणिक लाभ, महिला सशक्तिकरण
8	कुडुंबम, तमिलनाडु	श्रीअन्न विविधता के संरक्षण के माध्यम से पोषणिक और पारिस्थितिकी लाभों को प्रोत्साहित करना	श्रीअन्न की विविधता का संरक्षण, पोषणिक लाभ, पारिस्थितिकी लाभ

रूप से कीटों और रोगों का प्रबंधन कर सकते हैं।

- **प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा:** स्थानीय बीज बैंक उन बीजों का संग्रहण करते हैं, जिनसे प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में मदद मिल सकती है। ऐसे बीजों का उपयोग करके किसान सूखा, बारिश और अन्य आपदाओं के साथ संघटित होने पर भी उत्पादन कर सकते हैं।

- **शोध संस्थानों में उपयोगिता:** स्थानीय बीज बैंक विभिन्न प्रकार के बीजों के संग्रहण और प्रबंधन के लिए सहायक हैं। इससे प्रयोगशील बीजों का विकास हो सकता है। ये बीज उच्च उत्पादकता, स्वस्थ रहने में और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा में मदद कर सकते हैं।

इस प्रकार, स्थानीय बीज बैंक कृषि विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करते हैं। इसके साथ ही ये सतत खेती के लिए प्राकृतिक और स्थानीय स्थितियों में अच्छे प्रदर्शन करने वाले बीजों का विकास करते हैं।



कृषि विरासत के संरक्षण में योगदान